पाठ्यक्रम: HIN-604

पाठ्यक्रम का शीर्षक:समकालीन हिंदी कविता: व्यावहारिक समीक्षा

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी कविता तथा उसकी पृष्ठभूमि की जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• समकालीन हिंदी कविता की संवेदना एवं स्वरूप से अवगत कराना। • समकालीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियों से परिचित कराना। • समय और समाज के यथार्थ को कविता के माध्यम से समझाना। • समकालीन हिंदी कविता की भाषिक संरचना से अवगतकराना।	
पाठ्य विषय	**1. समकालीन हिंदी कविता : अवधारणा एवं स्वरूप** • समकालीन हिंदी कविता : प्रवृत्तियाँ • विविध काव्यांदोलन	**10**
	2. चयनित कवि एवं उनकी कविताएँ : 1. रघुवीर सहाय • बसंत • हँसो-हँसो जल्दी हँसो • आत्महत्या के विरुद्ध • हिंसा • लोग भूल गए हैं	**10**
	2.धूमिल • मकान • शांति पाठ • रोटी और संसद • प्रौढ़ शिक्षा • पटकथा	**10**
	3.दुष्यंत कुमार • कहाँ तो तय था चिराग़ाँ हरेक घर के लिए • अगर ख़ुदा न करे सच ये ख़्वाब हो जाए • चाँदनी छत पर चल रही होगी • भूख है तोसब्र कर रोटी नहीं तो क्या हुआ • अपाहिज व्यथा को वहन कर रहा हूँ	**10**
	4. राजेश जोशी • मारे जाएँगे • नाना की साइकिल • कंधे • आठ लफ़ंगों और एक पागल औरत का गीत • प्लेटफ़ॉर्म पर	**10**

	5. कात्यायनी • स्त्री का सोचना एकांत में • एक दिन तुम आना • वाहक जीवन-दाह • अपराजिता • शहर को चुनौती	**10**
अध्यापन विधि	व्याख्यान,चर्चा, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण, स्वाध्याय, दृश्य श्रव्य	
निर्धारित पाठ्य सामग्री **संदर्भ ग्रंथ सूची**	2) कात्यायनी. सात भाइयों के बीच चंपा. आधार प्रकाशन, पंचकुला, 1999. 3) कुमार, दुष्यंत. साये में धूप, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013. 4) जोशी, राजेश. नेपथ्य में हँसी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1994. 5) धूमिल. संसद से सड़क तक, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली, 1992. 6) सहाय, रघुवीर. प्रतिनिधि कविताएँ(सं॰).सुरेश शर्मा. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,2012. 1) कुमार, विजय (सं॰). सदी के अंत में कविता : उद्भावना कवितांक. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, अक्तूबर 1997 - मार्च 1998. 2) चतुर्वेदी, रामस्वरूप: नई कविताएँ : एक साक्ष्य, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1990. 3) जैन निर्मला: आधुनिक साहित्य: मूल्य और मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1993. 4) तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद. समकालीन हिंदी कविता. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010. 5) नवल, नंदकिशोर. समकालीन काव्य-यात्रा. किताबघर, नई दिल्ली, 1994. 6) पांडेय, डॉ॰ रतन कुमार. समकालीन कविता संवेदना और शिल्प, संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1996. 7) पांडेय, डॉ॰ सुरेशचंद्र, तिवारी, डॉ॰ उमाशंकर (सं॰). समकालीन काव्य. संजय बुक सेंटर, वाराणसी, 1998. 8) 'मानव' विश्वंभर, शर्मा, रामकिशोर. आधुनिक कवि, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2008. 9) मिश्र, ब्रह्मदेव और मिश्र, शिवकुमार (सं॰). धूमिल की श्रेष्ठ कविताएँ, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018. 10) मिश्र, रवींद्रनाथ. अंतिम दशक की हिंदी कविता. लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2013. 11) शर्मा, श्रीनिवास. हिंदी साहित्य : समकालीन परिदृश्य. नवागत प्रकाशन, कलकत्ता, 1988. 12) श्रीवास्तव, परमानंद. समकालीन हिंदी कविता. साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली, 2021.	
अधिगम परिणाम	• समकालीन हिंदी कविता की संवेदना को सामझेंगे। • समकालीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे । • समकालीन हिंदी कविता के विभिन्न कवियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। • समकालीन हिंदी कविता की भाषिक संरचना से अवगत होंगे।	